255

April - 2020

RNI No. KERHIN/2017/70008

ISSN No. 2456-625X

शोध सरोवर पत्रिका

10 अप्रैल 2020, वर्ष 4, अंक 14

'आरती', फोरेस्ट ऑफिस लेन, वषुतक्काड़, तिरुवनन्तपुरम -14

www.shodhsarovarpatrika.co.in

मलयालम साहित्य विशेषांक

त्रैमासिक हिन्दी शोध पत्रिका

अखिल भारतीय हिन्दी अकादमी, तिरुवनन्तपुरम, केरल राज्य।

Head of the Dept. of Hindi
N.S.S. College, Pandalam

N.S.S. COLLEGE PANDALAM

Principal
N.S.S. College
Pandalam

Scanned with CamScanner

सारा जोसफ का उपन्यास 'अकले-अरिके'- एक अध्ययन

• डॉ. लक्ष्मी एस.एस

मलयालम साहित्य की प्रमुख लेखिकाओं में श्रीमती सारा जोसफ का नाम उल्लेखनीय है। सारा जोसफ का जन्म 10 फरवरी 1946 को त्रिशूर जिले के कुरियच्चिरा नामक गाँव में एक मध्यवर्गीय परिवार में हुआ। मलयालम के सुप्रतिष्ठित साहित्यकार सर्वश्री तकषि शिवशंकर पिल्लै, पी. केशवदेव, एम्.टी. वासुदेवन नायर, एडश्शेरी गोविन्दन नायर आदि की कृतियों ने बचपन से ही साराजी को प्रभावित किया है। सारा जी लेखिका के साथ साथ शिक्षिका भी है। उनके प्रमुख उपन्यास है- अकले-अरिके (1978), आलाहयुटे पेण्मक्कल (1999), माट्टाती(2003), ओतप्पु (2005), ऊरुकावल (2008), आति (2011)।

'अकले-अरिके'(दूर -निकट) 1978 श्रीमती सारा जोसफ के एक सौ चार पृष्ठोंवाला एक छोटा-सा लघु उपन्यास है। श्रीमती सारा जोसफ के 'अकले - अरिके'(दूर निकट) उपन्यास की नायिका टेस्सी का पति डेविड रोगग्रस्त होकर अस्पताल में है, जो मृत्यु से बच पाना सम्भव नहीं है। लेकिन टेस्सी गोलीयाँ देकर उसकी जान बचाना चाहती है। वह जानती है कि अपने पति की मृत्यु निकट है। मिस नीना नामक नर्स टेस्सी को डेविड की बीमारी की गम्भीरता तथा आसन्न मृत्यु का पता देती है। टेस्सी डेविड के लिए दवा खरीदने को अपनी अंगूठी बेचती है, जो शादी में डेविड ने उसे पहनाई थी। ऐसी अवस्था में एक युवक को देखकर उसे अपने सुरेष की याद आई, जो उसे सच्चे दिल से चाहता है। उसके प्यार को अब टेस्सी तिरस्कृत नहीं कर सकती थी।

टेस्सी को अपने परिवार में बहुत लाड़-प्यार मिला था। लेकिन विवाह के बाद पति से उसे वह स्नेह कभी नहीं मिला। डेविड ने कभी उसे दुलारा नहीं, प्रथम रात्रि में भी नहीं। टेस्सी और डेविड में उम्र का भी अन्तर था। टेस्सी को पहली रात में ही डेविड के वात्सल्य में निन्दा महसूस हुई। अब डेविड की रीढ़ की हड्डी में मारक बीमारी है। डाक्टरों ने भी कहा है कि डेविड को बचाना मुश्किल है। टेस्सी को अपने वैवाहिक जीवन में डेविड से ऐसा कुछ भी सुखद अनुभव नहीं हुआ है, जिसकी स्मृति में वह पूरी ज़िन्दगी काट ले। वह अपने मृतप्राय पति की चिन्ता में दुखी होने से ज्यादा अपने प्रेमी के सान्निध्य की यादों में खो जाती है। अपने पति का एक मधुर चुम्बन तक उसे नहीं मिला है।

नर्स नीना टेस्सी से कहती है कि डेविड हरेक क्षण मृत्यु की राह की ओर जा रहा है। टेस्सी देखती है कि डेविड या तो दर्द से तड़प रहा है या अर्धनिद्रा में होता है। मृतप्राय डेविड के प्रति सहानुभूतिपूर्वक टेस्सी सोचती है- अपनी जैसी एक युवती के साथ शादी की, यही डेविड के जीवन का सबसे बड़ा दुर्भाग्य है। उसको

STD.
Dr Sheela T Nair
Head of the Dept. of Hindi
N.S.S. College, Pandalam
DEPARTMENT PANDALAM, PTA (Dist.) KERALA - 689 501 Phone: 04734-252221 N.S.S. COLLEGE
Scanned with CamScanner

आराधना करनेवाली, उसके उपलब्धियों में खुश होनेवाली एक युवती उसे मिलनी चाहिए थी। वह डेविड से पूछती थी "तुम मेरा मन क्यों नहीं समझते हो डेविड?" उसके उत्तर में डेविड ऐसा पूछता था कि 'मन? वह क्या चीज़ है' डेविड से टेस्सी को जो आसरा मिला था, वह उसे बलपूर्वक किया गया वशीकरण ही महसूस हुआ।

सिस्टर नीना अपनी ड्यूटी के बाद जाते वक्त अगली ड्यूटीवाली सिस्टर कांचना से डेविड के लिए ज़रूरी बातें बता देती है। बीमार डेविड से मिलने के लिए सुरेन आता है। सुरेन कहता है कि वह अगले दिन लौट जानेवाला है- साढ़े पाँच बजे। सुरेन टेस्सी को अभी स्वीकार करने तैयार है। अतः कहता है कि अगर टेस्सी कहे तो वह उसके लिए कितने भी काल हो प्रतीक्षा करने को तैयार है।

डेविड के प्रति टेस्सी के मन में स्नेह न था, लेकिन उसकी बीमारी की हालत पर उसे सहानुभूति है और अब उसे डेविड संसार का सबसे प्रिय भी मालूम होता है। ईश्वर की विकृति इसमें है कि टेस्सी यदि डेविड के लिए है तो उन्होंने क्यों टेस्सी का मन डेविड के मन के अनुरूप नहीं बनाया? डेविड के बदले मरने के लिए भी टेस्सी तैयार है। डेविड की बीमारी की हालत में टेस्सी सोचती है कि डेविड के स्पर्श के अनुरूप व्यवहार करने में वह असमर्थ रही। लेकिन जब सुरेन ने उसका स्पर्श किया था, उसकी मानसिक अनुभूति दिव्य थी।

टेस्सी सदा अकेली थी। पूर्णता को खोजती उसकी अभिलाषाएँ सदा पंख थकी चिड़ियाँ जैसी थीं।

डेविड पहचानता है कि अपनी मृत्यु नज़दीक है। यह कठोर सत्य पहचानकर डेविड ज़्यादा कठोर हो गया। डेविड की मानसिक अवस्था पहचानकर टेस्सी उसका उपचार करने लगी तो डेविड, या तो उसका उपहास करने लगा या घृणा से गाली देने लगा। पहले से ही डेविड सदा अपने में सीमित रहा। डेविड अपने सभी कार्यों से टेस्सी को अलग करता था, घर के कार्य में हो या रुपये के कार्य में हो। उसने टेस्सी से बिना बताए उसके आभूषण घर खरीदने के लिए बेच दिए थे। ऐसे संदर्भ में उसे ऐसा लगा कि डेविड की ज़िंदगी में उसे थोड़ा भी स्थान नहीं है।

ज़िन्दगी के व्यवहारिक पक्षों के बारे में टेस्सी अनभिज्ञ है। डेविड की परछाई में रहने के कारण ज़िन्दगी के रंगभेदों का बाह्य रूप उसने कभी नहीं देखा है। कभी जीवन में कठिनाइयों का सामना करने की नौबत नहीं आई है। वैवाहिक सम्बन्ध में एक बच्चा पैदा होने की आशा थी, वह भी नहीं मिला।

एक दिन जब सुरेन और टेस्सी ने एक साथ गिरजाघर में खड़े होकर प्रार्थना की तो सुरेन ने ईश्वर से अगले जन्म में टेस्सी से मिलने तथा एक साथ जीने का मौका देकर अपना जीवन परिपूर्ण करने की विनती की।

डॉक्टर डेविड की जाँच करके गया, फिर सिस्टर नीना डेविड की दवा की लिस्ट लेकर आई। टेस्सी दवा खरीदकर आई तो नीना ने रेलवे सटेशन में सुरेन से मिलने की खबर टेस्सी को सुनाई। वह सुरेन और टेस्सी के बीच का प्यार जानती थी। उसने टेस्सी से कहा कि टेस्सी अब भी युवती और सुन्दरी है। अतः चाहे तो वह और एक शादी कर सकती है। सुरेन के घरवालों द्वारा उसके लिए नियत शादी के बारे में भी टेस्सी से नीना कहती है।

STN
Dr. Sheela T Nair
Head of the Dept. of Hindi
N.S.S. College, Pandalam

DEPARTMENT OF HINDI
PANDALAM
Phone: 04734252121
N.S.S. COLLEGE

Scanned with CamScanner

अब कुछ देर के लिए डेविड को कुछ नहीं होगा, इस विचार से आखिरी बार सुरेन से मिलने टेस्सी रेलवे स्टेशन पहुँची और विदा देकर वापस अस्पताल में लौटी। तब डेविड का अन्तिम श्वास जा चुका था।

'अकले-अरिके' की नायिका टेस्सी कामकाजी है साथ ही स्वावलंबी है। अपने पति को मन से न चाहती हुई भी पति की सेवा को अपना कर्म और कर्तव्य समझती है। सारा जोसफ के उपन्यासों के नारी पात्रों में टेस्सी की अपनी अलग पहचान है, यही उनकी विशेषता है।

◆ असिस्टेंट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग
एन.एस.एस कॉलेज, पंतलम
फोन - 9400856238

सही उत्तर चुनें

(पृ.सं.23 के आगे)

11.'अवन वीटुम वरुन्नु' नाटक के लेखक कौन हैं?

(अ) सी.जे.थोमस

(आ) कावालम नारायण पणिक्कर

(इ) रामचन्द्रन मोकेरी (ई) जी.शंकर पिल्लै

12.'अवन वीटुम वरुन्नु' नाटक के अनुवादक कौन हैं?

(अ) डॉ.एम.एस.विश्वंभरन

(आ) डॉ.टी.एन.विश्वंभरन

(इ) पी.जी वासुदेव (ई) डॉ.वी.वी.विश्वम

13.'हल्लाबोल' नाटक मलयालम में किसने अनुवाद किया?

(अ) डॉ.के.जी.प्रभाकरन

(आ) डॉ.एस.तंकमणि अम्मा

(इ) डॉ.वी.रवीन्द्रन (ई) डॉ.के.एम.मालती

14. 'कोमल गांधार' के हिन्दी अनुवादक कौन हैं?

(अ) पी.एन.दामोदरन पिल्लै

(आ) डॉ.पी.वी.विजयन

(इ) डॉ.जी.गोपीनाथन (ई) डॉ.ए.अरविन्दाक्षण

15. 'कूट्टुकृषि' नाटक के हिन्दी अनुवाद का नाम क्या है?

(अ) सहकारी कृषि (आ) सह खेती

(इ) सहकारी खेती (ई) सम्मिलित खेती

16. 'आधे-अधूरे' नाटक के मलयालम अनुवाद का नाम क्या है ?

(अ) पकुति अपूणम् (आ) अर्द्ध अपूर्णम्

(इ) अपूर्णम् अर्द्धम् (ई) अपूर्णत

सही उत्तरः

(1) अ	(2) ई	(3) अ	(4) आ
(5) ई	(6) आ	(7)अ	(8) आ
(9) इ	(10) आ	(11) अ	(12) इ
(13) इ	(14) ई	(15) इ	(16) आ

Dr Sheela T Nair
Head of the Dept. of Hindi
N.S.S. College, Pandalam

DEPARTMENT OF HINDI
PANDALAM, PTA (Dist.)
KERALA - 689 501
Phone: 04734-252221
N.S.S. COLLEGE

Scanned with CamScanner